>

Title: Need to undertake measures for social, economic and educational upliftment of backward people belonging to seventeen castes in Uttar Pradesh.

श्री राधे मोहन सिंह (गाज़ीपुर): उत्तर प्रदेश की 17(सतरह) जातियाँ जिसमें राजभर, बिंद, केवट, मल्लाह, पाल प्रजापति इत्यादि जातियाँ आती हैं, की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति काफी दयनीय है। इन जातियों का जीवन विकास से कोसों दूर हैं जबकि इन जातियॉ ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणीय भूमिका निभाई है। लेकिन 1947 के बाद विकास की दौड़ में ये जातियॉ पीछे छूट गयी हैं। इनमें से आधी जातियाँ हताशा एवं निराशा का जीवन व्यतीत कर रही हैं। सच यह है कि इन जातियों की स्थिति अनुसूचित जाति से भी ज्यादा बदतर है। समय रहते हुए अगर भारत सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो मैं समझता हूं कि ये जातियॉ विकास से सदा वंचित रहेंगी और यह स्थिति भारतीय संविधान में समाजवाद की अवधारणा के बिल्कुल विपरीत होगी।

इसलिए जरूरी है कि इस विषय पर सदन में चर्चा कराई जाए और कोई समिति गठित करके इनकी आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति का सर्वेक्षण कराया जाए ताकि इन जातियों को भी न्याय मिल सके।